

Shri Ramayan Ji ke Aarti Lyrics

Shri Ramayan Ji ke Aarti Lyrics in Hindi

आरती श्री रामायण जी की ।
कीरति कलित ललित सिय पी की ॥

गावत ब्रह्मादिक मुनि नारद ।
बाल्मीकि बिग्यान बिसारद ॥
शुक सनकादिक शेष अरु शारद ।
बरनि पवनसुत कीरति नीकी ॥
॥ आरती श्री रामायण जी की.. ॥

गावत बेद पुरान अष्टदस ।
छुओं शास्त्र सब ग्रंथन को रस ॥
मुनि जन धन संतान को सरबस ।
सार अंश सम्मत सब ही की ॥
॥ आरती श्री रामायण जी की.. ॥

गावत संतत शंभु भवानी ।
अरु घटसंभव मुनि बिग्यानी ॥
ब्यास आदि कबिबर्ज बखानी ।
कागभुशुंडि गरुड़ के ही की ॥
॥ आरती श्री रामायण जी की.. ॥

कलिमल हरनि बिषय रस फीकी ।
सुभग सिंगार मुक्ति जुबती की ॥
दलनि रोग भव मूरि अमी की ।
तात मातु सब बिधि तुलसी की ॥

आरती श्री रामायण जी की ।
कीरति कलित ललित सिय पी की ॥

Shri Ramayan Ji ke Aarti Lyrics in English and Hinglish

Aarti Shri Ramayan Ji Ki.

Kirti Kalit Lalit Sita Pi Ki.

Gavat Brahmadi Muni Narad.

Valmiki Vigyan Visarad.

Shuk Sanakadik Shesh Aru Sharad.

Barni Pavan Sut Kirti Neeki.

□ Aarti Shri Ramayan Ji Ki..□

Gavat Ved Puran Ashtadash.

Chhaon Shastras Sab Granthan Ko Ras.

Muni Jan Dhan Santan Ko Sarbas.

Saar Ansh Sammat Sab Hi Ki.

□ Aarti Shri Ramayan Ji Ki..□

Gavat Santat Shambhu Bhavani.

Aru Ghat Sambhav Muni Vigyani.

Vyas Adi Kabibraj Bakhaani.

Kagbhushundi Garud Ke Hi Ki.

□ Aarti Shri Ramayan Ji Ki..□

Kalimal Harni Vishay Ras Fiki.

Subhag Singar Mukti Jubati Ki.

Dalni Rog Bhav Moori Ami Ki.

Taat Maatu Sab Bidhi Tulsi Ki.

Aarti Shri Ramayan Ji Ki.

Kirti Kalit Lalit Sita Pi Ki.

Shri Ramayan Ji ke Aarti Meaning in Hindi

आरती श्री रामायण जी की ।

यह पंक्ति रामायण के प्रति श्रद्धांजलि और आरती का संदर्भ देती है ।

कीर्ति कलित ललित सिय पी की ।

इसमें सीता जी की सुंदरता और उनकी महिमा का वर्णन किया गया है ।

गावत ब्रह्मादिक मुनि नारद ।

यहां ब्रह्मा, नारद मुनि जैसे महान ऋषियों का उल्लेख किया गया है, जो राम के गुणों का गान

करते हैं।

बाल्मीकि बिग्यान बिसारद।

यह पंक्ति वाल्मीकि जी का भी उल्लेख करती है, जो रामायण के लेखक हैं और जिनके ज्ञान की प्रशंसा की जाती है।

शुक सनकादिक शेष अरु शारद।

यहां शुक, सनक और शेष नाग जैसे दिव्य व्यक्तियों का जिक्र है, जो भगवान राम की महिमा का बखान करते हैं।

बरनि पवनसुत कीरति नीकी।

यह पंक्ति हनुमान जी की महिमा को बयां करती है, जो राम के भक्त और पवन के पुत्र हैं।

॥ आरती श्री रामायण जी की.. ॥

यह आरती का समापन होता है और फिर से श्री रामायण के प्रति समर्पित होती है।

गावत बेद पुरान अष्टदस।

यहां वेद और पुराणों का उल्लेख है, जिनमें राम की कहानियों का वर्णन मिलता है।

छाओं शास्त्र सब ग्रंथन को रस।

सभी शास्त्रों में राम के प्रति भावनाओं का रस भरा हुआ है।

मुनि जन धन संतान को सरबस।

यह पंक्ति मुनियों के समर्पण को दर्शाती है, जो राम की कृपा से धन और संतान प्राप्त करते हैं।

सार अंश सम्मत सब ही की।

यह बताता है कि सभी संत और मुनि राम के गुणों को सार्थक मानते हैं।

गावत संतत शंभु भवानी।

यहां संत, भगवान शिव और माता भवानी की स्तुति की जा रही है।

अरु घटसंभव मुनि बिग्यानी।

घटसंभव का अर्थ है कि ये मुनि अपने ज्ञान से भगवान के रूप को पहचानते हैं।

व्यास आदि कविवर्ज बखानी ।

यहां व्यास और अन्य कवियों का जिक्र है, जो राम की कथाओं को सुनाते हैं।

कागभुशुंडि गरुड़ के ही की ।

कागभुशुंडी और गरुड़ भी राम के भक्त हैं और उनकी महिमा का वर्णन करते हैं।

कलमल हरनि बिषय रस फीकी ।

यहां बताया गया है कि कलियुग के पापों को भगवान राम ही समाप्त कर सकते हैं।

सुभग सिंगार मुक्ति जुबती की ।

यह पंक्ति राम के सौंदर्य और मुक्ति देने वाले स्वरूप का वर्णन करती है।

दलनि रोग भव मूरि अमी की ।

यहां जीवन की समस्याओं और रोगों को दूर करने की बात कही गई है।

तात मातु सब बिधि तुलसी की ।

यहां तुलसी माता का उल्लेख है, जो सभी विधियों में महत्वपूर्ण मानी जाती हैं।

आरती श्री रामायण जी की ।

यह फिर से आरती का जिक्र करता है और रामायण के प्रति श्रद्धा व्यक्त करता है।

कीरति कलित ललित सिय पी की ।

अंत में, सीता जी की महिमा का वर्णन करते हुए आरती समाप्त होती है।

यह भजन भगवान राम के प्रति भक्ति और श्रद्धा को प्रकट करता है और उनके गुणों का बखान करता है।

Shri Ramayan Ji ke Aarti Meaning in English

आरती श्री रामायण जी की ।

This line is an offering of devotion and reverence to the Ramayana.

कीरति कलित ललित सिय पी की ।

This refers to the beauty and glory of Sita Ji, the beloved of Lord Rama.

गावत ब्रह्मादिक मुनि नारद ।

Here, it mentions great sages like Brahma and Sage Narada, who sing the praises of Lord Rama.

बाल्मीकि बिग्यान बिसारद ।

This line acknowledges Valmiki, the author of the Ramayana, who is revered for his wisdom.

शुक सनकादिक शेष अरु शारद ।

This mentions divine personalities like Shukra, Sanaka, and Shesh Nag, who extol the virtues of Lord Rama.

बरनि पवनसुत कीरति नीकी ।

This line describes the glory of Hanuman, the son of the wind, who is a devoted follower of Rama.

॥ आरती श्री रामायण जी की.. ॥

This concludes the verse and reaffirms the dedication to the Ramayana.

गावत बेद पुरान अष्टदस ।

Here, it speaks of the Vedas and Puranas, which narrate the tales of Lord Rama.

छुओं शास्त्र सब ग्रंथन को रस ।

All scriptures are filled with the essence and emotions related to Lord Rama.

मुनि जन धन संतान को सरबस ।

This line indicates that sages, through the grace of Rama, attain wealth and progeny.

सार अंश सम्मत सब ही की ।

It conveys that all saints and sages consider the essence of Rama's

qualities to be meaningful.

गावत संतत शंभु भवानी ।

This line praises saints, as well as Lord Shiva and Goddess Bhavani.

अरु घटसंभव मुनि बिग्यानी ।

It suggests that these sages recognize the divine form of God through their wisdom.

ब्यास आदि कबिबर्ज बखानी ।

Here, it mentions sages like Vyasa and other poets who narrate the stories of Rama.

कागभुशुंडि गरुड के ही की ।

Both Kaghbhushundi and Garuda are also devotees of Lord Rama and narrate His glory.

कलिमल हरनि बिषय रस फीकी ।

This indicates that the sins of the Kali Yuga can be removed by Lord Rama.

सुभग सिंगार मुक्ति जुबती की ।

This line describes the beauty of Rama and His form that grants liberation.

दलनि रोग भव मूरि अमी की ।

Here, it speaks of overcoming life's problems and ailments.

तात मातु सब बिधि तुलसी की ।

This refers to Tulsi Mata, who is considered significant in all rituals.

आरती श्री रामायण जी की ।

This reaffirms the dedication and reverence to the Ramayana.

कीरति कलित ललित सिय पी की ।

In conclusion, it reiterates the glory of Sita Ji as the bhajan ends.

This bhajan expresses devotion and reverence towards Lord Rama, praising His qualities and the impact of the Ramayana on devotees' lives.